

बहस की माँग हालाँकि मैं जानता हूँ कि महामारी बहस से दूर नहीं होती है प्रफुल्ल कोलख्यान मगर उजागर तो होती है!

मेरे गाँव में महामारी फैल रही है मैं इस पर बात करना चाहता हूँ

मैं जानना चाहता हूँ इस महामारी का नाम इसमें रगों में खून की जगह आँसू बहने लगता है और आँखों में आँसू की जगह खून उतरने लगता है

मैं चाहता हूँ सभी लोग इस महामारी पर सोचें सोचें और बहस करें

हालाँकि मैं जानता हूँ कि महामारी बहस से दूर नहीं होती है मगर उजागर तो होती है!

सही औषधि की तलाश के लिए मैं इस विपर्यय पर दोस्तों से बहस की माँग करता हूँ